



[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 798

B

Unique Paper Code : 12131201

Name of the Paper : Classical Sanskrit Literature
(Prose)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Core, LOCF**

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. All questions are compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

P.T.O.

भाग - क / Part - A

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) उद्दामदर्पश्वयथुस्थगितश्रवणविवराश्चोपदिश्यमानमपि ते न शृण्वन्ति, शृण्वन्तोऽपि च गजनिमीलितेनावधीरयन्तः खेदयन्ति हितोपदेशदायिनो गुरुन् ।

(ख) गुरुवचनममलमपि सलिलमिव महदुपजनयति श्रवणस्थितं शूलमभव्यस्य । इतरस्य तु करिण इव शङ्खाभरणमाननशोभासमुदयमधिकतरम् उपजनयति ।

(ग) हरति च सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषममयनिशाकर इव गुरूपदेशः । प्रशमहेतुर्वयः परिणामिव पलितरूपेण शिरसिज-जालममलीकुर्वन् गुणरूपेण तदेव परिणमयति ।

(घ) इयं हि सुभटखड्गमण्डलोत्पलवनविभ्रमभ्रमरी लक्ष्मीः क्षीरसागरात्पारि-जातपल्लवेभ्यो रागम् इन्दुशकलादेकान्तवक्रताम् उच्चैः श्रवसश्चंचलतां कालकूटान्मोहशक्ति मदिरायाः मदं कौस्तुभमणेर्नैष्ठुर्यम् इत्येतानि सहवासपरिचयवशात् विरहविनोदचिह्नानि गृहीत्वैवोद्गता । न ह्येवंविधमपरिचितमिह जगति किञ्चिदस्ति यथेयमनार्या । लब्धापि खलु दुःखेन परिपाल्यते ।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(5×2=10)

Explain with reference to the context of any **two** of the following :

(क) लतेव विटपकानध्यारोहति । गंगेव वसुजनन्यपि तरङ्गबुदबुदचञ्चला ।

(ख) गन्धर्वनगरलेखा इव पश्यत एव नश्यति ।

(ग) कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्

(घ) सकलमतिमलिनमप्यन्धकारमिव दोषजातं प्रदोषसमयनिशाकर इव गुरूपदेशः

3. “वाणी बाणो बभूव” इस उक्ति के आधार पर बाणभट्ट की गद्यशैली पर विस्तृत निबन्ध लिखिए ।

(10)

Write a detail essay on prose style of Banabhatta on the basis of “वाणी बाणो बभूव” ।

(अथवा) Or

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरु के उपदेश का महत्त्व प्रतिपादित कीजिए ।

Explain the importance of teachings of Guru according to *shuknasopdesha*.

भाग - ख / Part - B

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो का अनुवाद कीजिए : (5×2=10)

Translate any **two** of the following :

(क) देव! मयापि परिभ्रमता विन्ध्याटव्यां कोऽपि कुमारः क्षुधा तृषा च क्लिश्यन्नक्लेशार्हः क्वचित्कूपाध्याशे अष्टवर्षदेशीय दृष्टः । स च त्रासगद्गदमागत् महाभाग, क्लिष्टस्य मे क्रियतामर्य सहाय्यकम् । अस्य मे प्राणहारिणीं पिपासां प्रतिकर्तुमुदकमुदञ्चन्निह कूपे कोऽपि निष्कलो ममैकशरणभूतः पतितः ।

(ख) चित्तज्ञाननुवर्तिनोऽनर्थ्या अपि प्रियाः स्युः । दक्षिणा अपि तदभावबहिष्कृता द्वेष्या भवेयुः इति । तथापि का गतिः । अविनीतोऽपि न परित्याज्यः पितृपैतामहैरस्मादृशैदयमधिपतिः । अपरित्यजन्तोऽपि कमुपकार-मश्रूयमाणवचः सर्वथा नयज्ञस्य वसन्त्भानोरश्मकेन्द्रस्य हस्ते राज्यमिदं पतितम् ।

(ग) येप्युदिशन्ति एवमिन्द्रियाणि जेतव्यानि एवमरिषड्वर्गसत्याजयः सामादिरूपायवर्गः स्वेषु परेषु चाजस्रं प्रयोज्य । सन्धिविग्रहचिन्तयैव नेयः कालः स्वल्पोऽपि सुखस्यावकाशो न देयः ।

(घ) आगमदीपदृष्टेन खल्वध्वना सुखेन वर्तते लोकयात्रा । दिव्यं हि चक्षुर्भुतभवद्भविष्यत्सु व्यवहितविप्रदृष्टादिषु च विषयेषु शास्त्रं नामाप्रतिहतवृत्तिः । तेन हीनः सतोरप्यायतविशालयोर्लोचनयोरन्धः एव जन्तुरर्थदर्शनेष्वसामर्थ्यात् । अतो विहाय बाह्यविद्यास्वभिषङ्गमागमय दण्डनीतिं कुलविद्याम् ।

5. “दण्डिनः पदलालित्यम्” उक्ति का आशय स्पष्ट करते हुए महाकवि दण्डि की काव्यशैली पर निबन्ध लिखें । (11)

Discuss the meaning of “दण्डिनः पदलालित्यम्” and write an essay on poetic style of Dandin.

(अथवा) Or

विश्रुतचरितम् के अनुसार राजाओं की दिनचर्या का वर्णन कीजिए ।

Explain the day by day activities of kings according to *Visrutcharitam*.

6. प्रश्न संख्या 1,2,4 के किन्हीं पांच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी कीजिए । (5)

Write Grammatical notes in any **five** underlined words in given 1, 2, and 4.

P.T.O.

भाग - ग / Part - C

7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये :

(3×3=9)

Write short notes on any **three** of the following :

बाणभट्ट, दण्डी, अम्बिकादत्त व्यास, कथा, आख्यायिका

(अथवा) Or

संस्कृत गद्य साहित्य की उत्पत्ति और विकास का विवेचन कीजिए ।

Describe the origin and development of Sanskrit prose literature.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिये : (5×2=10)

Write notes on any **two** of the following :

शुकसप्तति, पंचतन्त्र, हितोपदेश, वेतालपञ्चविंशतिका

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6432

A

Unique Paper Code : 12131202_OC

Name of the Paper : Self-Management in Gītā

Name of the Course : B.A. (Hon.) CORE_CBCS

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper)

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. निम्नलिखित की व्याख्या कीजिए:

5x7=35

Explain the following:

1. नियतं कुरु कर्म त्वं कर्म ज्यायो ह्यकर्मणः ।
शरीरयात्रापि च ते न प्रसिध्येदकर्मणः ॥

OR/अथवा

प्रशान्तात्मा विगतभीर्ब्रह्मनारिजते स्थितः ।
मनः संयम्य मचित्तो युक्त आसीत् मत्परः ॥

2. इन्द्रियाणां हि चरतां यन्मनोऽनुबिधीयते ।
तदस्य हरति प्रज्ञां वायुर्नाभमिवाग्नौ ॥

OR/अथवा

शुचौ देशे प्रतिष्ठाप्य स्थिरमासनमात्मनः ।
नात्युच्छ्रितं नातिनीचं चैलाजिनकुशोत्तरम् ॥

3. यदा ते मोहकलिलं बुद्धिगतितरिष्यति ।
तदा गन्तासि निर्वेदं श्रोतव्यस्य श्रुतस्य च ॥

OR/अथवा

इति ते ज्ञानमाख्यातं गुह्याद्गुह्यतरं मया ।
विमृश्यैतदशेषेण यथेच्छसि तथा कुरु ॥

P.T.O.

4. न चैतद्विद्वाः कतरन्नो गरीयो यद्वा जयेम यदि वा नो जयेयुः ।
यानेव हत्वा न जिजीविषामस्तेऽवस्थिताः प्रमुखे धार्तराष्ट्राः ॥

OR/अथवा

देहिनोऽस्मिन्यथा देहे कौमारं यौवनं जरा ।
तथा देहान्तरप्राप्तिर्धीरुत्तम न मुह्यति ॥

5. प्रजहाति यदा कामान्सर्वान्पार्थ मनोगतान् ।
आत्मन्येवात्मना तुष्टः स्थितप्रज्ञस्तदोच्यते ॥

OR/अथवा

यत्करोषि यदन्नासि यज्जुहोषि ददासि यत् ।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्व मदर्पणम् ॥

2. आत्म-प्रबन्धन से आप क्या समझते हैं? गीता के आधार पर आत्म-प्रबन्धन पर लेख लिखिए । 11

What do you mean by "Self-Management"? Write an essay on self-Management on the basis of Gita.

OR/अथवा

- मन का स्वरूप समझाते हुए मानसिक द्वन्द्वों के मूल कारण का विवरण प्रस्तुत कीजिए । 11

Explaining the nature of mind, give an account of root cause of mental conflicts.

3. गीता के अनुसार त्रिविध गुणों के व्यवहारिक पक्ष को स्पष्ट करते हुए आधुनिक जीवन में इसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डालिए ।

Explaining the practical side of the threefold gunas according to the Gita, throw light on its relevance in modern life.

OR/अथवा

रजोगुण का स्वरूप स्पष्ट करते हुए सात्विक एवं तामसिक आहार की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

Explaining the nature of Rajoguna describe the characteristics of Sattvika and Tamsika diet.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए:

3x6=18

- I. बुद्धि का स्वरूप (Nature of Intellect)
- II. इन्द्रियों पर नियंत्रण (Control Over Senses)
- III. मनोनिग्रह (Restraint of the Mind)
- IV. आहार शुद्धि (Purity of Food)
- V. समत्वयोग (Equanimity Yoga)
- VI. ध्यान (Meditation)

2

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3488

A

Unique Paper Code : 12131602

Name of the Paper : Sanskrit Composition and Communication

Name of the Course : B.A. (H), Core, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

भाग-क
(Part -A)

1. चतुर्थी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

4

Explain the rules of चतुर्थी विभक्ति with examples.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं दो सूत्रों की व्याख्या कीजिए:

Explain any two of the following sutras:

ध्रुवमपायेऽपादानम्, आधारोऽधिकरणम्, कर्तुरीप्सिततमं कर्म, स्वतन्त्रः कर्ता,

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार वाक्यों में सूत्र निर्देशपूर्वक विभक्ति का कारण बताइए:

4

Explain the reason of the case ending in any four sentences:

- त्वं पठितुं विद्यालयं गच्छसि।
- सः विद्यालयं परितः परिभ्रमति।
- रामः रावणाय अलम् अस्ति।
- बालकाय मोदकं रोचते।
- बालकः मातरं रुप्यकाणि याचते।
- हिमालयात् गङ्गा प्रभवति।
- देवदत्तः गुरुकुले अध्ययनेन वसति।
- प्रासादात् बालः अपतत्।

3. वाच्य से क्या अभिप्राय है? वाच्य के भेदों को सोदाहरण स्पष्ट करें।

8

What is the voice? Explain Type of voice with examples.

अथवा/Or

शतृ एवं शानच् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples शतृ and शानच् suffixes.

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों का वाच्य परिवर्तन कीजिए:

5

Change the voice of any five of the following sentences:

- सः ग्रामं गच्छति।
- कन्यया संस्कृतं पठ्यते।
- देवाः आशीर्वादान् यच्छति।
- त्वं पुष्पाणि चिनोषि।
- मोहनः स्वपिति।

- vi. त्वया कथं भूयते।
 vii. सः रामेण सह दिल्लीप्रदेशं गतवान्।
 viii. शिशुना पयः पीयते।

भाग-‘ख’

(Part -B)

5. निम्नलिखित में से किन्हीं सात वाक्यों का संस्कृत भाषा में अनुवाद कीजिए: 7
 Translate in Sanskrit Language any Seven sentence of the following:

- | | |
|--|--|
| i. तुम कहाँ जाते हो? | Where do you go? |
| ii. मेरे पिता का नाम श्री रामचंद्र है। | My father's name is Shri Ram Chandra. |
| iii. लोग देवालय में ईश्वर को पूजते हैं। | People worship God in the temple. |
| iv. वह यहाँ से कहाँ गया? | Where did he go from here? |
| v. यदि तुम पढ़ोगे, तो जीवन में सफल होगे। | If you read then you will succeed in life. |
| vi. तुम सब कब खेलोगे? | When did you all play? |
| vii. तुम जो बोओगे, वह काटोगे। | What you sow, so shall you reap. |
| viii. भक्त शिव को नमस्कार करते हैं। | Devotees bow to Shiva. |
| ix. गायत्री मंत्र से बुद्धि सबल होती है। | Gayatri Mantra enriches one's intellect. |
| x. जल से शरीर के अंग शुद्ध होते हैं। | Water purifies the parts of the body. |
| xi. विद्यालय विद्या के मंदिर होते हैं। | Schools are the temples of Education. |

6. निम्न में से किसी एक का हिन्दी अथवा अंग्रेजी में अनुवाद कीजिए: 8

Translate any one of the following paragraphs into Hindi or into English:

ईस्वीवर्षस्य सप्तमशताब्द्यां महाराष्ट्रप्रान्ते आसीद् राजा विष्णुवर्धनः। तस्य राजसभायां महाकविः भारविः राजकविः आसीत्। तस्य महाकाव्यं किरातार्जुनीयं पुराकालादेव अत्यन्तं प्रसिद्धं वर्तते। तद् अमरकाव्यम् अर्थगौरवात् संस्कृतसाहित्यस्य बृहत्त्रय्यां प्रथमं स्थानम् अलङ्करोति। भारविः बाल्यकाले महता परिश्रमेण विद्याम् अर्जितवान्। स नियमेन चतुरो वेदान् षट् शास्त्राणि चापठत्। तस्य विलक्षणा प्रतिभा काव्यरचनायामपि प्रवृत्ता। सः सर्वदा विद्वत्सभासु सोत्साहम् उपातिष्ठत्। तत्र पण्डितैः सह अनेकवारं चातुर्येण शास्त्रार्थम् अकरोत्। सः कविसम्मेलनेषु निरन्तरं काव्यम् अश्रावयत्। श्रोतारः तस्य रम्यं काव्यं श्रुत्वा भृशं प्रशंसन्ति स्म। इत्थं काव्यकलायां तस्य कीर्तिलता अल्पेनैव कालेन चतुर्दिक्षु प्रासरत्।

अथवा/Or

ये जनाः दृढप्रतिज्ञाः भवन्ति तेषां कृते तेषां व्रतमेव सर्वप्रमुखं भवति। संसारे ईदृशाः जनाः अभवन् ये जीवनस्य अन्तिमे क्षणेऽपि सत्यस्य आश्रयं नात्यजन्। स्वात्मनः विपर्यये किञ्चिद् कर्म अपि नाकुर्वन्। अनेकासु विपत्तिषु अपि नृपः हरिश्चन्द्रः सत्यस्याश्रयं नात्यजत्। महाराणा प्रतापः आजीवनं वने

वनेऽध्वमत्। स्वभार्या बालं च बुभुक्षया निष्प्राणान्निव पश्यन्नपि सः तेषां वार्ता न अमन्यत। ते तस्मै पराधीनं जीवनं जीवितुम् अकथयन्। आधुनिके काले महर्षिः दयानन्दोऽपि सत्यस्य पालने वेदप्रचारे च स्वजीवनस्य बलिदानम् अकरोत् परं सत्यस्य मार्गं नात्यजत्। एवमेव पुण्यभूमिभारते अनेके ईदृशाः महापुरुषाः अजायन्त ये स्वजन्मना इमां भूमिं पवित्राम् अकुर्वन्। अद्यापि तेषां चरणचिह्नानि मानवान् सत्याचरणं प्रति प्रेरयन्ति।

7. दो मित्रों के मध्य होने वाले आतङ्कवाद विषयक वार्तालाप को संस्कृत भाषा में लिखिए। 6
Write the conversation between two friends on the topic of terrorism in Sanskrit Language.

अथवा/Or

निम्नलिखित में से किन्हीं छः को शुद्ध कीजिए:

Correct any six of the following:

- विद्या सत्यात् शोभते ।
- नृपेण मृगेषु शराः अक्षिपत् ।
- दश नाटक अस्ति।
- उद्यानस्य निकषा वनम् अस्ति।
- आसन्दिकायां अधितिष्ठति।
- ग्रामे अश्वं नेष्यति।
- पादेन खञ्जः ।
- अहम् फले खादितम् ।

8. उचित प्रत्ययों के प्रयोग द्वारा किन्हीं छः रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए: 6
Fill up the blanks of any six of the following with suitable suffixes:

- त्वया भोजनं.....(खाद्+क्त) ।
-(हस्+शतृ) बालकं पश्य ।
- शिशुः मोदकं(दृश्+क्त्वा) प्रसीदति।
- मोहनः क्रीडनकानि.....(क्री+तुमुन्) गमिष्यति।
- रमणिका भोजनं(पच्+शानच्) अस्ति ।
- सेवकः नृपं(प्र+नम्+ल्यप्) उपविशति।
- मया कुत्रापि न.....(गम्+अनीयर्)।
- सुनीता पत्रं(लिख्+क्तवतु)।

भाग-‘ग’

(Part -C)

9. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए: 15

Write an essay on the following topics:

भरतीया संस्कृतिः, उपमा कालिदसस्य, संस्कृतभाषाया महत्त्वम्, महाभारतम्

10. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लघु-निबन्ध लिखिए: 10

Write an essay on the following topics:

आतङ्कवादः, कोरोना, जलवायुपरिवर्तनम्, संगणकस्य उपयोगिता ,

(1500)

35102

[This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 3022

A

Unique Paper Code : 12131601

Name of the Paper : Indian Ontology and
Epistemology

Name of the Course : B.A. (H), Core, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

P.T.O.

10072524056

भाग - क / Section - A

1. ✓ 'दर्शन' शब्द का अर्थ स्पष्ट करते हुए भारतीय दर्शन के सामान्य वर्गीकरण का संक्षिप्त विवरण दीजिए। (6)

Define the term 'Darsana' and give a brief description of general classification of the Indian philosophy.

अथवा / OR

एकतत्त्ववादी अद्वैत-वेदान्त दर्शन का वर्णन कीजिए।

Describe the monotheistic philosophy of Advaita Vedānta.

2. कार्यकारणवाद विषयक सांख्यमत का विवेचन कीजिए। (6)

Discuss the Sankhya doctrine of cause and effect.

अथवा / OR

स्वभाववाद एवं परिणामवाद के सिद्धान्त का विवेचन कीजिए।

Describe the doctrines of Svabhāvavāda and Parīṇāmavāda.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(4.5 + 4.5)

Write short notes on any two of the following :

(i) धर्म-धर्मी (Property and Property-Bearer)

(ii) प्रत्ययवाद (Idealism)

(iii) आरम्भवाद (Doctrine of non-pre-existence)

भाग - ख / Section - B

4. पदार्थ के स्वरूप को बताते हुए 'अभाव' पदार्थ के स्वरूप का वर्णन कीजिए। (7)

Describe the Characteristics of Padārtha (category), and discuss the nature of the Category of 'Abhāva'.

अथवा / OR

द्रव्य के स्वरूप को पारिभाषित करते हुए आत्मा एवं मनस् द्रव्य का विवेचन कीजिए।

Define Substance and describe the Substances of ātmā and manas.

P.T.O.

5. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6+6)

Explain any two of the following :

- (i) उष्णस्पर्शवत्तेजः ।
- (ii) नित्यसम्बन्धः समवायः ।
- (iii) नित्यमेकमनेकाऽनुगतं सामान्यम् ।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4+4)

Comment on any two of the following :

- (i) कर्मभेद (Types of actions)
- (ii) पृथिवी (Earth)
- (iii) कार्य-करण (Cause and Effect)
- (iv) उपमान प्रमाण (Comparison)

भाग - ग / Section - C

7. 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो' बुद्धिर्ज्ञानम्' कथन के आधार बुद्धि के स्वरूप का वर्णन विशद कीजिए । (7)

Discuss in details the Concept of 'Buddhi' on the basis of the statement 'सर्वव्यवहारहेतुर्गुणो बुद्धिर्मानम्'.

अथवा / OR

तर्कसंग्रह के आधार पर प्रमा की परिभाषा देते हुए प्रमा के प्रकार बताइये ।

Define Pramā and discuss its types on the basis of the text of Tarka Sangraha.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की व्याख्या कीजिए : (6 + 6)

Explain any two of the following :

- (i) आप्तवाक्यं शब्दः ।
- (ii) कारणं त्रिविधम् - समवाय्यसमवायिनिमित्तभेदात् ।
- (iii) सव्यभिचारविरुद्धसत्प्रतिपक्षाऽसिद्धबधिताः पञ्च हेत्वाभासाः ।
- (iv) अनुमितिकरणमनुमानम् ।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (4 + 4)

Write notes on any two of the following :

- (i) षड्विधसन्निकर्ष
- (ii) अन्वयव्यतिरेकी लिङ्गः
- (iii) व्याप्ति
- (iv) पञ्चावयववाक्य

4 [This question paper contains 6 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 533

B

Unique Paper Code : 62131201

Name of the Paper : Sanskrit Prose

Name of the Course : LOCF, BA (P) CORE

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किसी चार का अनुवाद कीजिए : (4×5=20)

Translate any **four** of the following :

- (i) गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणामखिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरुकरणम्, असुवर्णविरचनम् अग्राम्यं कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः। विशेषेण तु राज्ञाम्। विरला हि तेषामुपदेष्टारः। प्रतिशब्दक इव राजवचनमनुगच्छति जनो भयात्।
- (ii) न परिचयं रक्षति। नाभिजनमीक्षते। न रूपमालोकयते। न कुलक्रममनुवर्तते। न शीलं पश्यति। न वैदग्ध्यं गणयति। न श्रुतमाकर्णयति। न धर्ममनुरुध्यते। न त्यागमाद्रियते। न विशेषज्ञतां विचारयति। नाचारं पालयति। न सत्यमवबुध्यते। न लक्षणं प्रमाणीकरोति। गन्धर्वनगरलेखेव पश्यत एव नश्यति।
- (iii) तात चन्द्रापीड! विदितवेदितव्यस्याधीतसर्वशास्त्रस्य ते नाल्पमप्युप-
देष्टव्यमस्ति। केवलञ्च निसर्गत एवाभानुभेद्यमरत्नालोकोच्छेद्यम-
प्रदीपप्रभापनेयमतिगहनं तमो यौवनप्रभवम्। अपरिणामोपशमो दारुणः
लक्ष्मीमदः। कष्टमनञ्जनवर्तिसाध्यम् अपरम् ऐश्वर्यतिमिरान्धत्वम्।
अशिशिरोपचारहार्योऽतितीव्रो दर्पदाहज्वरोष्मा।
- (iv) “अहो! चिररात्राय सुप्तोऽहम्, स्वप्नजालपरतन्त्रेणैव महान् पुण्यमयः
समयोऽतिवाहितः, सन्ध्योपासन-समयोऽयमस्मद्गुरुचरणानाम्, तत्सपदि
अवचिनोमि कुसुमानि” इति चिन्तयन्, कदलीदलमेकमाकुञ्च्य,

तृणशकलैः सन्धाय, पुटकं विधाय, पुष्पावचयं कर्तुमारेभे। बटुरसौ
आकृत्या सुन्दरः, वर्णन गौरः, जटाभिर्ब्रह्मचारी, वयसा षोडशवर्षदेशीयः,
 कम्बुकण्ठः, आयतललाटः, सुबाहुर्विशाललोचनश्चाऽऽसीत्।

(v) तत्संश्रुत्य भारतवर्षीयदशासंस्मरणसंजातशोको हृदयस्थप्रसाद -
 सम्भारोद्गिरणश्रमेणेवातिमन्थरेण स्वरेण “मा सम धर्म ध्वंसनघोषणैर्योगि -
 राजस्य धैर्यमवधीरय” इति कण्ठं रुन्धतो वाष्पान् विगणय्य, नेत्रे
 प्रमृज्य, उष्णं निःश्वस्य, कातराभ्यामिव नयनाभ्यां परितोऽवलोक्य,
 ब्रह्मचारिगुरुः प्रवक्तुमारभत...

(vi) महात्मन्! क्वाधुना विक्रमराज्यम्? वीरविक्रमस्य तु भारतभुवं विरहय्य
गतस्य वर्षाणां सप्तदशशतकानि व्यतीतानि। क्वाधुना मन्दिरे मन्दिरे
 जय - जय - ध्वनिः? क्व सम्प्रति तीर्थे - तीर्थ घण्टानादः? क्वाद्यापि
 मठे - मठे वेदघोषः? अद्य हि वेदा विच्छिद्य वीथीषु विक्षिप्यन्ते,
 धर्मशास्त्राण्युद्धूय धूमध्वजेषु ध्मायन्ते, पुराणानि पिष्ट्वा पानीयेषु
 पात्यन्ते, भाष्याणि भ्रंशयित्वा भ्राष्ट्रेषु भर्ज्यन्ते।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(2×6=12)

Explain any **two** of the following with reference to
 the context:

(i) इदमाकर्ण्य किञ्चिदस्मिन्नेव परितोऽवलोक्य च योगी जगाद - सत्यं
 न लक्षितो मया समयवेगः। यौधिष्ठिरे समये कलितसमाधिरहं वैक्रमसमये

P.T.O.

उदस्थाम्। पुनश्च वैक्रम-समाये समाधिमाकलय्य अस्मिन् दुराचारमये समयेऽहमुत्पितोऽस्मि। अहं पुनर्गत्वा समाधिमेव कलयिष्यामि, किन्तु तावत् संक्षिप्य कथ्यतां कीदृशी दशाभारतवर्षस्येति।

- (ii) चन्दनप्रभवो न दहति किमनलः? किं वा प्रशमहेतुनापि न प्रचण्डतरीभवति वाडवानलो वारिणा? गुरूपदेशश्च नाम पुरुषाणाम-खिलमलप्रक्षालनक्षमम् अजलं स्नानम्, अनुपजातपलितादिवैरूप्यमजरं वृद्धत्वम्, अनारोपितमेदोदोषं गुरूकरणम्, असुवर्णविरचनम्, अग्राम्यं-कर्णाभरणम्, अतीतज्योतिरालोकः, नोद्वेगकरः प्रजागरः।
- (iii) अतिप्रयत्नविधृतापि परमेश्वरगृहेषु विविधगन्धगजगण्डमधुपानमत्तेव परिस्वलति। पारुष्यमिवोपशिक्षितुमसिधारासु निवसति। विश्वरूपत्वमिव ग्रहितुमाश्रिता नारायणमूर्तिम्। अप्रत्ययबहुला च दिवसान्तकमलमिव समुपचितमूलदण्डकोशमण्डलपि मुञ्चति भूभुजम्। लतेव विटपकानध्यारोहति।
- (iv) तदारभ्याद्यावधि राक्षसा एव राज्यमकार्षुः। दानवा एव च दीनानदीदलन्। अभूत् केवलम् अकबरशाह-नामा यद्यपि गूढशत्रुर्भारतवर्षस्य तथापि शान्तिप्रियो विद्वत्प्रियश्च। अस्यैव प्रपौत्रो मूर्तिमदिव कलियुगं, गृहीतविग्रह इव चाधर्मः, आलमगीरोपाधिधारी अवरङ्गजीवः सम्प्रति दिल्लीवल्लभतां कलङ्कयति। अस्यैव पताकाः केकयेषु, मत्स्येषु, मगधेषु च दोधूयन्ते, केवलं दक्षिणदेशेऽधुनाऽप्यस्य परिपूर्णो नाधिकारः संवृत्तः।

3. बाणभट्ट के जीवन और उनकी कृतियों पर प्रकाश डालिए। (7)

Describe Banbhatta's life sketch of Prose style in detail.

अथवा / OR

शुकनासोपदेश के आधार पर गुरुपदेश के महत्त्व पर प्रकाश डालिए।

Enlighten on the importance of Gurupadesha on the basis of Shukanasopadesha.

4. अम्बिकादत्त व्यास की गद्य शैली की विवेचना कीजिए। (7)

Describe Ambikadatt Vyasa's Prose style in detail.

अथवा / OR

शिवराजविजय में अभिव्यक्त राष्ट्रीय भावना का विश्लेषण कीजिए।

Analyze Nationalistic Sentiments as mentioned in Shivarajavijaya.

5. प्रश्न संख्या 1 तथा 2 के किन्हीं पाँच रेखांकित पदों पर व्याकरणात्मक टिप्पणी लिखिए। (1×5=5)

Write grammatical note on any **five** of the underlined words in question 1 and 2.

P.T.O.

533

6

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write notes on any **two** of the following:

वाडवानलः कुण्डलिनी, रजोभ्रान्ति, योगिराजः, अनाहतनादः, गन्धर्वनगरलेखा।

7. संस्कृत गद्यकाव्य के उद्भव व विकास पर प्रकाश डालिए। (8)

Enlighten on the origin and development of Sanskrit Prose Literature.

अथवा / OR

सुबन्धु एवं बाणभट्ट की रचनाओं पर प्रकाश डालिए।

Discuss briefly the compositions of Subandhu & Banbhatta.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए : (2×4=8)

Write notes on any **two** of the following :

पञ्चतन्त्र, वेतालपञ्चविंशतिका, हितोपदेश, सिंहासनद्वात्रिंशिका।

[This question paper contains 2 printed pages]

S. No. 6227

Roll No.:

Unique Paper Code : 12137908_OC

Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda

Name of the Course : B.A. (H), DSE CBCS

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper)

(इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
Answer any Five Questions.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए। किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

1. भारतीय आयुर्वेद के उद्भव एवं विकास का विवेचन कीजिए।

15

Discuss origin and development of Indian Ayurveda.

2. आयुर्वेद की धन्वन्तरि परम्परा का विवेचन कीजिए।

15

Explain the tradition of Dhanvantri.

3. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए।

3X5=15

Comment on any three of the following.

भावमिश्र, माधव, शाङ्गधर, सुश्रुत।

4. आयुर्वेद के अनुसार ग्रीष्म और वर्षा ऋतु का विवेचन कीजिए।

15

Explain the regimen of summer and rainy seasons according to Ayurveda.

5. शरद और शिशिर ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।

15

Describe regimen of autumn and winter seasons.

6. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

3X5=15

Write short notes on any three of the following.

(i) आदान काल

(ii) विसर्ग काल

(iii) हेमन्त ऋतु

(iv) वसन्त ऋतु

7. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वर्णित ब्रह्मस्वरूप का संक्षेप में वर्णन कीजिए। 15

Briefly discuss about the query about 'Brahma' as depicted in Taittiriyanishad's Bhrguvalli.

8. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वर्णित अन्न का महत्त्व बताइये। 15

Write an importance of Food according to Taittiriyanishad's Bhrguvalli.

4
[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4107

A

Unique Paper Code : 62131801

Name of the Paper : Sanskrit as MIL C 2-Sanskrit
Grammar

Name of the Course : B.A. (Programme) Core, LOCF

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answers all questions.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।
3. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

P.T.O.

1. (क) निम्न पाँच शब्दों के निर्देशानुसार रूप लिखिए।

5×1= 5

Write the specific form of any five of the following words.

- | | | |
|--------|-----------|-------------------------|
| (i) | वारि - | तृतीया विभक्ति एकवचन |
| (ii) | वाक् - | प्रथमा विभक्ति बहुवचन |
| (iii) | राम - | षष्ठी विभक्ति एकवचन |
| (iv) | मुनि - | चतुर्थी विभक्ति एकवचन |
| (v) | किम् - | द्वितीया विभक्ति बहुवचन |
| (vi) | पितृ - | सप्तमी विभक्ति एकवचन |
| (vii) | जगत् - | प्रथमा विभक्ति एकवचन |
| (viii) | दण्डिन् - | प्रथमा विभक्ति एकवचन |
| (ix) | पयस् - | द्वितीया विभक्ति एकवचन |
| (x) | त्रि - | प्रथमा विभक्ति बहुवचन |

(ख) निम्न किन्हीं पाँच पदों का विभक्ति तथा वचन पहचान कीजिए।

5×1= 5

Identify the विभक्ति and वचन of any five of the following.

- (i) रमायाम्
- (ii) कानि
- (iii) रामेण
- (iv) फलेन
- (v) मातरम्
- (vi) आत्मानम्
- (vii) अस्मान्
- (viii) अहम्
- (ix) ताः
- (x) चतस्रः

(ग) निम्न में से किन्हीं पाँच धातुओं के निर्देशानुसार रूप लिखिए।

5×1= 5

Write the specific form of any five of the following verbs.

- (i) पठ्- लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन

- (ii) नृत्- लट् लकार, मध्यम, बहुवचन
- (iii) भू- लोट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन
- (iv) पच्- लङ् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन
- (v) कृ- लृट् लकार, प्रथम पुरुष, बहुवचन
- (vi) अस्- विधिलिङ् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन
- (vii) भू- लृट् लकार, मध्यम पुरुष, बहुवचन
- (viii) पच्- लोट् लकार, उत्तम पुरुष, बहुवचन
- (ix) कृ- लट् लकार, प्रथम पुरुष, एकवचन
- (x) भू- लट् लकार, मध्यम पुरुष, एकवचन

(घ) किन्हीं पाँच धातुरूपों का लकार, पुरुष तथा वचन लिखिए।

5×1= 5

Write down the लकार, पुरुष and वचन of any five of the following.

पठसि, भवानि, भवन्ति, कुर्वन्ति, पठेत्, अकरोत्, भवामि, पठिष्यामि, पठेयुः

2. (क) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में सन्धि कीजिए।

5×2 = 10

Join sandhis in any five of the following.

सुधी+उपास्यः, गज+इन्द्रः, धर्म+अर्थः, विष्णो+ए, देव+आगमनम्, बालो+अत्र, वाक्+ईशः, सत्+जनः, लौ+अकः, गण+ईशः

(ख) निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों में विच्छेद कीजिए।

5×2= 10

Split sandhis in any five of the following.

एकैकम्, चन्द्रोदयः, श्रीशः, हरये, जनीषः, मुनेऽत्र, सञ्चित, सप्तर्षयः, पुस्तकालयम्, जगदीशः

(ग) निम्नलिखित में से किन्हीं एक पर टिप्पणी कीजिए।

1×5 =5

Comment on any One of the following.

रुत्व, लोप

2×5=10

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए।

Comment on any two of the following.

अव्ययीभाव, तत्पुरुष, द्वन्द्व

अथवा/or

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच समस्तपदों का विग्रह कीजिए।

Split Samasa in any five of the following words.

सचक्रम्, नीलोत्पलम्, हरिहरौ, उपकृष्णम्, कूपपतितः, सिंहभयम्, अनश्वः

10

4. कारक किसे कहते हैं? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

What is a Case? Explain with examples.

अथवा/Or

निम्न किन्हीं पाँच वाक्यों में विभक्ति पहचान की।

Identify the inflection in any five of the following sentences.

(i) प्रजाभ्यः स्वस्ति।

(ii) भवनात् पतति।

(iii) हरिं वन्दे।

(iv) नगरं सर्वतः।

(v) मोक्षे इच्छास्ति।

(vi) उपाध्याय अधीते।

(vii) यूपाय दारु।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच पदों का प्रकृति प्रत्यय जोड़कर शब्द निर्माण कीजिए।

5×2=10

Write down the root and suffix of any five of the following words.

कृ+तव्यत्, स्मृ+अनीयर्, गम्+क्तवतु, चल्+क्त, अस+क्त्वा, हन्+तुमुन्, पर्+शतृ, आगम्+ल्यप्,

लिख्+क्त्वा, पच्+शानच्

अथवा/Or

निम्न किन्हीं पाँच पदों का धातु तथा प्रत्यय पहचान कीजिए।

Identify the धातु and प्रत्यय of any five of the following.

वक्तव्यम्, पाठ्यम्, हार्यम्, जयनीयम्, हसित्वा, नेयः, पीत्वा, नेतुम्, पक्कः, लिखितवान्

(100)

6

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 526

B

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Vyakarana

Name of the Course : **B.A. (Prog.), DSC, LOCF**

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए :
(5×5=25)

Explain with example any **five** sutras from the following :

हलन्त्यम्, नीचैरनुदात्तः, संयोगान्तस्य लोपः, आद्गुणः, झलां जशोऽन्ते, रो रि स्वतन्त्रः कर्ता, ध्रुवमपायेऽपादानम् ।

2. निम्नलिखित पदों में से केवल पाँच पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए :
(5×5=25)

Quoting the relevant sutras, give formation any **five** of the following :

कृष्ण + एकत्वम्, नायकः, विष्णूदयः, रामस् + षष्ठः, सच्चित्, शम्भुस् + राजते, शिवो वन्द्यः, सुध्युपास्यः ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की परिभाषा सोदाहरण दीजिए :
(5×2=10)

Define with example any **two** technical terms of the following :

दीर्घ, गुण, करण, अधिकरण ।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिए : (5)

Correct any **five** sentences from the following :

(क) रामेण बाणस्य हतो बाली ।

(ख) मोक्षाय इच्छा अस्ति ।

(ग) पितुः स्वधा ।

(घ) याचकात् धनं यच्छति ।

(ङ) वृक्षात् अवचिनोति फलानि ।

(च) माणवकाय धर्मं ब्रूते ।

(छ) देवदत्तः तण्डुलैः पचति ।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का समास और विग्रह कीजिए :

(5×2=10)

Make any **five** compound and dissolute of compounds from the following :

P.T.O.

अनुविष्णु, घनश्यामः, पीताम्बरः, मातापितरौ, रूपस्य योग्यम्, नरकं पतितः,
कण्ठे कालः यस्य सः, रामश्च लक्ष्मणश्च ।

This question paper contains 4 printed pages 1

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper: 4257

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Grammar

Name of the Course : B.A (Prog.): DSC,
LOCF

Semester : IV

Duration : 3 hours.

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit or in Hindi or in English but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत, हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. Explain with example any five sutras from the following: (5×5=25)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए।

अदर्शनं लोपः, सुप्तिङन्तं पदम्, ङको यणचि, उरण् रपरः, रत्तोः श्रुना श्रुनुः,
विसर्जनीयस्य सः चतुर्थी सम्प्रदाने, षष्ठी शेषे

2. Quoting the relevant sutras, give formation any five of the following (5×5=25)

निम्नलिखित पदों में से केवल पाँच पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए।

दैत्यारिः, विष्णो+ए, उपेन्द्रः, शिवो वन्द्यः, प्रश्नः, एतत्+मुरारिः,
, पुना रमते, रामस+टीकते।

3. Define with example any two technical terms of the following : (5×2=25)

निम्नलिखित में से किन्हीं दो की परिभाषा सोदाहरण दीजिए।

गुण, कर्म, धातु, अपादान।

4. Correct any five sentences from the following: (5)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

(क) तण्डुलैः ओदनं पचति।

(ख) सः पुस्तकं पठामि।

(ग) अग्निं स्वाहा।

(घ) अलं विवादस्य।

(ङ) कवये कालिदासः श्रेष्ठः।

(च) रामः कलमस्य लिखति।

(छ) हरिणा भजति।

5. Make any five compound and dissolute of compounds from the following : (5×5=25)

निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का समास और वियोग कीजिए।

P.T.O.

अधिहरि, गोहितम् , प्राप्तोदको ग्रामः, मातापितरौ, सक्षिकाणाम् अभावः,
धान्येन अर्थः, पीतम् अम्बरं यस्य सः, पाणी च पादौ च ।

Sanskrit.

8
[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.

Sr. No. of Question Paper : 4146

A

Unique Paper Code : 62134402

Name of the Paper : Sanskrit Vyakarana

Name of the Course : B.A. (Prog.) DSC, LOCF

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

P.T.O.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या कीजिए:
Explain with example any *five* sutras from the following :

5x5=25

उच्चैरुदात्तः, हलोऽनन्तराः संयोगः, एचोऽयवायावः, अकः सवर्णे दीर्घः, झलां जश् झशि, ससजुषो रुः, सम्बोधने च, आधारोऽधिकरणम्।

2. निम्नलिखित पदों में से केवल पाँच पदों की सूत्रोल्लेखपूर्वक रूपसिद्धि कीजिए:
Quoting the relevant sutras, give formation any *five* of the following :

5x5=25

नाव्यम्, देवैश्वर्यम्, रामश्शेते, विष्णोऽव, वागीशः, सञ्चित्, विष्णुस्त्राता, भो देवाः।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो की परिभाषा सोदाहरण दीजिए:
Define with example any *two* technical terms of the following :

5x2=10

वृद्धि, कर्ता, सम्प्रदान, उपसर्ग।

4. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच वाक्यों को शुद्ध कीजिए:
Correct any *five* sentences from the following :

5

(क) विप्रस्य गां ददाति।

(ख) त्वम् अस्ति।

(ग) अश्वेन बालकः अपतत्।

(घ) बलेः याचते वसुधाम्।

(ङ) कटम् आस्ते।

(च) प्रजायाः स्वस्ति।

(छ) ग्रामेण अजां नयति।

5. निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच शब्दों का समास और विग्रह कीजिए:

5x2=10

Make any *five* compound and dissolute of compounds from the following :

अतिहिमम्, राजपुरुषः, कण्ठेकालः, श्वशुरौ, हरेः सादृश्यम्, नीलम् उत्पलम्,
प्राप्तम् उदकं यं सः, माता च पिता च।

(900)

Sanskrit

Dubi

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

आपका अनुक्रमांक.....

Sr. No. of Question Paper : 3919

A

Unique Paper Code : 62027627

Name of the paper : Selected Texts Related to Buddha's Basic Teachings

Name of the Course : B.A. (CBCS Prog.) Buddhist Studies

Semester : VI [Students admitted after the year 2019]

Time : 3 Hrs.

Full Marks: 75

समय: 3 घंटे

पूर्णांक : 75

Instructions for candidates (विद्यार्थियों के लिए निर्देश):

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.

इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Note: Answers may be written either in *English* or in *Hindi*; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी: इस प्रश्न का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिये, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any five questions. Question no. 7 is compulsory. All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर दीजिये। प्रश्न संख्या 7 अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

1. Comment on the enunciation of *Dhammacakkappavattana-sutta* with special reference to *Majjhima Patipadā*. Can it be regarded as a model for ensuring the attainment of Buddha's aim of *bahujana hitāya bahujana sukhāya*? Discuss.

मज्झिमपटिपदा के विशेष संदर्भ में धम्मचक्रपवत्तन-सुत्त के प्रतिपादन पर टिप्पणी कीजिए। क्या इसे बुद्ध के उद्देश्य बहुजन हिताय बहुजन सुखाय की प्राप्ति को सुनिश्चित करनेवाला एक प्रतिमान माना जा सकता है? विवेचन कीजिए।

2. What do you understand by *Satipatṭhāna*? Why is it called the only way to *Nibbāna*? Discuss.

सतिपट्ठान से आप क्या समझते हैं? इसे निब्बान की ओर ले जाने वाला एकमात्र मार्ग क्यों कहा जाता है। विवेचन कीजिए।

P.T.O.

3. Enumerate the factors, which bring forth happiness and prosperity in man's life on the basis of *Mangalasutta*.

मंगलसुत्त के आधार पर उन कारकों का वर्णन कीजिए जो मानव-जीवन में सुख और समृद्धि लाता है।

4. Evaluate the importance of the *Sigalovādasutta* in establishing a happy and peaceful existence in the society.

समाज में एक सुखद एवं शांतिप्रद अस्तित्व की स्थापना में सिगलोवादसुत्त की महत्ता का मूल्यांकन कीजिए।

5. Describe the causes, enlisted in the *Parābhava Sutta* that lead to the downfall of a man and entangles him into the web of suffering.

पराभवसुत्त में सूचीबद्ध उन कारणों का विवेचन कीजिए जो मानव को पतन की ओर ले जाता है और उसे दुःख-जाल में बांधते हैं।

6. "Enmity never ceases by enmity." Comments on this statement in the light of the *Yamakavagga* of the *Dhammapada*.

"शत्रुता से शत्रुता कभी समाप्त नहीं होती।" धम्मपद के यमकवग्ग के आलोक में इस कथन पर टिप्पणी कीजिए।

7. "The mind is responsible for the happy and sorrow state in human life." Discuss it with special reference to the *Yamakavagga* of the *Dhammapada*.

मानव जीवन में सुख एवं दुःख की स्थिति के लिए मन उत्तरदायी है। धम्मपद के यमकवग्ग के विशेष संदर्भ में इसकी विवेचना कीजिए।

[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 4074

A

Unique Paper Code : 62137903

Name of the Paper : LITERARY CRITICISM

Name of the Course : B.A. (Prog.), DSE, LOCF

Semester : VI

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. All questions carry equal marks.
3. Attempt any five questions.
4. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
4. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. नियतिकृतनियमरहिताम्, इस काव्यवैशिष्ट्य की विवेचना कीजिए। 15
Discuss the excellence of poetry नियतिकृतनियमरहिताम्.
2. काव्यशास्त्र का परिचय देते हुए उसके विविध नामकरणों पर प्रकाश डालिए। 15
Givinnng an introduction to Poetics and throw light on its various Names.
3. मम्मट-अनुसार काव्य के किन्हीं दो हेतुओं पर प्रकाश डालिए। 15
Throw light on any two essential causes of poetry according to Mammata.
4. काव्यप्रकाश में वर्णित काव्यलक्षण की विवेचना कीजिए। 15
Discuss the **Kavyalakshan** as described in Kavyaprakash.
5. मम्मट के अनुसार मध्यमकाव्य की समीक्षा कीजिए। 15
Analyse the मध्यमकाव्य according to Mammata.
6. शब्द शक्तियों का संक्षिप्त परिचय दीजिये। 15
Give an short introduction to Shabda Shakti.
7. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन पर टिप्पणी लिखिए: 5×3=15
Write short notes on any three of the following :
 - (i) मद्यःपरनिर्वृतये।
 - (ii) अर्थचित्र।
 - (iii) कान्ता सम्मित उपदेश।
 - (iv) ध्वनिकाव्य।
 - (v) लोकशास्त्र।
 - (vi) व्युत्पत्ति।

25/5/22 (E)